जाँच पत्र-1
(पाठ 1-11 पर आधारित)

कुल अंक 50

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(क) काँटे तितलियों के पंख कतर देते हैं।

(ख) श्यामा ने कमरे में आकर सूचना दी कि अंडे नीचे पड़े हैं तथा बच्चे उड़ गए।

(ग) पत्र में राजेंद्र प्रसाद जी ने अपने भाई से गोपाल कृष्ण गोखले जी की संस्था 'सर्वेंट्स ऑफ़ इंडिया सोसाइटी' में सम्मिलित होने की अनुमति माँगी है।

(घ) सम्राट अशोक शिशुपाल को न्याय-मंत्री बनाना चाहते थे इसलिए उन्होंने शिशुपाल को दरबार में बुलाया था।

(ङ) पंडित रविशंकर जब भी लेखिका से मिलते तो वे ऐसा महसूस करवाते, जैसे लेखिका से महत्वपूर्ण और कोई व्यक्ति उनके पास नहीं हो। मिलते भी इतनी आत्मीयता से मानो वे लेखिका की ही प्रतीक्षा कर रहे हों। यही कारण था कि पंडित रविशंकर से मिलने पर लेखिका को हमेशा किसी बहुत बड़े बरगद के पेड़ तले आकर खड़े होने का आभास होता था।

(च) ईमानदारी तथा स्वाभिमान जैसे मानवीय गुणों का पता चलता है। जीवन में ये गुण आवश्यक हैं, इनसे ही एक अच्छे चरित्र का निर्माण होता है।

2. निम्नलिखित पंक्तियों के भावार्थ लिखिए –

(क) इन पंक्तियों का भावार्थ है कि फूल और काँटा एक ही पौधे पर जन्म लेने, एक-सी वर्षा और हवा प्राप्त करने के बाद भी अपना अलग-अलग स्वभाव रखते हैं। इसी प्रकार एक ही घर में जन्म लेने तथा समान सुविधाएँ पाने पर भी एक माता-पिता की संतान एक जैसे स्वभाव की नहीं होती।

(ख) इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि कवयित्री अपने बचपन को सदियों से ढूँढ़ रही थी, वही बचपन उसने अपनी बेटी के रूप में दोबारा पाया है। वह उसमें अपना बचपन देखती है। कवयित्री जब बड़ी हो गईं तो उन्हें लगता था कि उनका बचपन उन्हें कहीं छोड़कर भाग गया है और उसे खोजते-खोजते उन्होंने अपनी बेटी के रूप में बचपन को पा लिया था।

3. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

(क) एड़ (ख) कर्तव्य (ग) प्रेरणा (घ) उत्सुक (ङ) आनंद

4. निम्नलिखित वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए–

(क) तीन अंडे (ख) मस्तक (ग) तुरंत (घ) जहाँपनाह (ङ) आपको

5. उचित विकल्प चुनिए –

(क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) (iii) (ङ) (iii)

6. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

(क) गुरु हमारा मार्गदर्शन करते हैं। (ख) परमवीर चक्र सर्वोच्च वीरता पुरस्कार है।

(ग) हम मेले में जाने के लिए उत्सुक थे। (घ) हमारा निश्चय सुदृढ़ होना चाहिए।

(ङ) अपने सामान की स्वयं ही हिफ़ाज़त करो।

(च) राजकिशोर ने ईमानदार बालक की मदद की।